

- (iii) Thirty-first Report on Demands for Grants (2006-2007) of the Department of Posts (Ministry of Communications and Information Technology);
- (iv) Thirty-second Report on Demands for Grants (2006-2007) of the Ministry of Information and Broadcasting; and
- (v) Thirty-third Report on action taken by the Government on the Recommendations/Observations of the Committee contained in their Twentieth Report (Fourteenth Lok Sabha) on Functioning and Expansion of Postal Network of the Department of Posts (Ministry of Communications and Information Technology).

REPORT OF THE DEPARTMENT RELATED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON URBAN DEVELOPMENT

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): Sir, I lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Sixteenth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Urban Development (2005-2006) on action taken by the Government on the recommendations contained in the Eighth Report of the Committee (Fourteenth Lok Sabha) on the Delhi Development Authority (DDA).

MOTION FOR ELECTION TO THE CENTRAL ADVISORY COMMITTEE FOR THE NATIONAL CADET CORPS

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Sir, I move the following Motion:

“That in pursuance of clause (i) of sub-section (1) read with sub-section (1A) of Section 12 of the National Cadet Corps Act, 1948 (XXXI of 1948), this House do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, one Member from among the Members of the House to be a member of the Central Advisory Committee for the National Cadet Corps in the vacancy that will be arising therein w.e.f. August 19, 2006 due to the expiry of term of Shri V. Hanumantha Rao in the said Committee.”

The question was put and the motion was adopted.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sir ...(Interruptions)...

श्री वीरेन्द्र भाटिया (उत्तर प्रदेश): सभापति जी ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप ठहर तो जाइए। मैं भाग नहीं रहा हूँ और आप भी नहीं जा रहे हैं।

SHRI V. NARAYANASAMY: The hon. Leader of the Opposition, yesterday, in this august House ...(Interruptions)...

श्री संतोष बागड़ोदिया (राजस्थान) : इन्हें बोलने दीजिए ...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY: He has mentioned about the correspondence between ...(Interruptions)...

श्री सभापति : माननीय सदस्य, एक मिनट, बैठ जाइए ...(व्यवधान)... Please take your seat. ...(Interruptions)... Please take your seat. ...(Interruptions)... आपने मुझे प्रिविलेज मोशन दिया है ...(व्यवधान)... आपने प्रिविलेज मोशन दिया है, मैं उसे देख रहा हूँ। ...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, under rule 188, I have to mention ...(Interruptions)...

श्री सभापति : यह रूल का सवाल नहीं है। मेरी सुनिए, मैं allow नहीं कर रहा हूँ ...(व्यवधान)... मैं इसे examine कर रहा हूँ। मैं बिना examine किए आपको allow नहीं करूँगा, बिल्कुल नहीं ...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY: *

श्री सभापति : मैं allow नहीं करूँगा ...(व्यवधान)... मैंने वह सब देख लिया है ...(व्यवधान)...

SHRI V. NARAYANASAMY: *

श्री सभापति : आप मुझे टाइम तो दीजिए ...(व्यवधान)... Please take your seat. ...(Interruptions)... Please take your seat ...(Interruptions).... मैं आपको बता रहा हूँ, "please take your seat". ...(Interruptions)...

SHRI V. NARAYANASAMY: *

* Not recorded.

श्री सभापति : आप बैठिए, मैं allow नहीं करूँगा।...**(व्यवधान)**... Nothing will go on record. ...**(Interruptions)**...Nothing will go on record. ...**(Interruptions)**... यह कैसे होगा...**(व्यवधान)**... आप बैठ जाइए ...**(व्यवधान)**... एक मिनट...**(व्यवधान)**... मेरी सुन लीजिए, जब टाइम हो रहा है, उस समय आप मुझे breach of privilege का मोशन दे रहे हैं। मैं उस समय इसे नहीं कर सकता...**(व्यवधान)**... मैंने इसमें रूल देख लिया है ...**(व्यवधान)**... मैंने आपसे ज्यादा रूल देखा है, मैंने उम्र भर रूल ही देखा है...**(व्यवधान)**... मैं इतना ही कहना चाहता हूँ। इसलिए मैं अलाउ नहीं करूँगा जब तक...**(व्यवधान)**... हाउस में अखबार वगैरह नहीं दिखाए जाएंगे। यह गलत बात है। Nothing will go on record. ...**(Interruptions)**...Nothing will go on record. Nothing will go on record about the Privilege Motion. ...**(Interruptions)**...

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, I am on some other issue.

MR. CHAIRMAN: Let him sit first. मैं इस मामले में न डॉक्यूमेंट देखूँगा और न आपको डॉक्यूमेंट दिखाने की अनुमति दूँगा। ...**(व्यवधान)**... नहीं-नहीं, बैठ जाइए।

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, can I raise my point of privilege? My point of privilege is, yesterday, a letter has been given on the floor of the House. ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : वह नहीं आएगा।...**(व्यवधान)**... माननीय सदस्य यह मत करिए। मैं आप को कह रहा हूँ, आप ने और इन्होंने दोनों ने मुझे यह दिया है...**(व्यवधान)**... मैं अलाउ नहीं कर रहा हूँ।...**(व्यवधान)**... माफ करना, मैं अलाउ नहीं करूँगा। मैंने अलाउ किया नहीं है और न करूँगा।

SHRI SANTOSH BAGRODIA: I would like to know whether it is authenticated or not. I would like to have a copy of that letter.

श्री सभापति : Nothing will go on record. ...**(व्यवधान)**... एक मिनट बैठ जाइए। यह हाउस का ब्रीच ऑफ प्रिविलेज है। हाउस में इस तरह से अखबार दिखाना ब्रीच ऑफ प्रिविलेज है।

श्री संतोष बागड़ोदिया : *

श्री सभापति : नहीं होगा। Next श्री तरलोचन सिंह।...**(व्यवधान)**... Nothing will go on record. ...**(Interruptions)**...Nothing will go on record. Please take your seat.

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, I am on a point of order.

* Not recorded.

MR. CHAIRMAN: What is your point of order? ...*(Interruptions)*... I will not allow. जब हाउस चल ही नहीं रहा है तो पॉइंट ऑफ ऑर्डर कहां से हो गया? पॉइंट ऑफ ऑर्डर तब होगा जब हाउस चलता हो। मैं अलाउ नहीं करूंगा, मैं अलाउ नहीं करूंगा। श्री तरलोचन सिंह। मैं अलाउ नहीं करूंगा, मैं अलाउ नहीं करूंगा, मैंने कह दिया है आप से।

DR. MURLI MANOHAR JOSHI (Uttar Pradesh): Sir, it is a point of disorder.

श्री संतोष बागड़ोदिया : *

श्री सभापति : देखिए मेरी बात सुन लीजिए, जब हाउस चले तब तो पॉइंट ऑफ ऑर्डर हाउस में आएगा। बिजनेस है नहीं ...*(व्यवधान)*... तो पॉइंट ऑफ ऑर्डर कैसे हो गया?

श्री राजीव शुक्ल : *

MR. CHAIRMAN: So far as the matter of privilege is concerned...*(Interruptions)*...Hear me.

Please hear me. So far as the matter of privilege is concerned, it is under my examination. Before I take any decision, you will not be allowed to speak anything. ...*(Interruptions)*... बैठ जाइए, मैंने कह दिया आप को।

श्री संतोष बागड़ोदिया : *

MR. CHAIRMAN: I am on my legs. Please sit down. आप ने कागज मुझे दिया है और मैंने कहा अंडर एक्जामिनेशन है, जो मैटर मेरे एग्जॉमिनेशन में है, उसे आप बोलकर क्या करना चाहते हैं?

श्री संतोष बागड़ोदिया : *

श्री सभापति : मेरे ऑफिस में आप ने कहा है, बात तो वही है।

श्री संतोष बागड़ोदिया : *

श्री सभापति : नहीं है, छोड़िए इसको। ...*(व्यवधान)*... श्री तरलोचन सिंह। Nothing will go on record except Shri Tarlochan Singh. ...*(व्यवधान)*... नहीं, यह नहीं होगा।

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): Sir, I am on a point of order. ...*(Interruptions)*... This is my right ...*(Interruptions)*... I am on a point of order.

श्री संतोष बागड़ोदिया : *

* Not recorded.

श्री सभापति : मैंने बता दिया आपको matter is under examination. ...**(व्यवधान)**... आप बैठ जाइए। Nothing is going on record. कोई रिकॉर्ड में नहीं जाएगा। ...**(Interruptions)**... Nothing will go on record. ...**(Interruptions)**...

श्री संतोष बागड़ोदिया : *

श्री एस. एस. अहलुवालिया : *

MR. CHAIRMAN : I am sorry ...**(Interruptions)**..... एक मिनट, एक मिनट ...**(व्यवधान)**... आपने जो पेपर्स दिए हैं, ...**(व्यवधान)**... किसी ने भी दिया, वे यहाँ रखे हैं। मैं वे पेपर्स देख लूँ, उसके बाद रूलिंग दूँगा। ...**(व्यवधान)**... वह ठीक है, बस।...**(व्यवधान)**... नेक्स्ट! ...**(व्यवधान)**... आप जरा गुस्से से मत बोलिए कि मेरी समझ में आ जाए...**(व्यवधान)**... नहीं, जब आप गुस्से से बोलते हैं, तो कान भी बंद हो जाते हैं।...**(व्यवधान)**...

SHRI JANARDHANA POOJARY: Please hear me, Sir ...**(Interruptions)**...

श्री सभापति : ठीक है, मैंने देख लिया।...**(व्यवधान)**... आपको न सुनना बहुत कठिन काम है। ...**(व्यवधान)**...

SHRI JANARDHANA POOJARY: I am on a point of order...**(Interruptions)**...It is my point of order. You have to hear me...**(Interruptions)**...Rule 250 states, "Any member may, at any time, submit a point of order for the decision of the Chairman, but in doing so, shall confine himself to stating the point."

श्री सभापति : वह ठीक है। मैंने आपकी बात सुन ली।...**(व्यवधान)**...

SHRI JANARDHANA POOJARY: Now, the point is, you have stated, in your wisdom, that he cannot raise a point of order at any time he wants ...**(Interruptions)**...You have to hear him...**(Interruptions)**...

श्री सभापति : आप मेरी बात सुनिए।...**(व्यवधान)**... एक मिनट, मेरी बात सुनिए। ...**(व्यवधान)**... एक मिनट, मेरी सुन लीजिए।...**(व्यवधान)**... मुझे पता नहीं था कि आप यह प्वायंट ऑफ ऑर्डर रेज करेगे। इसी हाऊस में कई रूलिंग्स ऐसी हो चुकी हैं कि जब तक हाऊस बिजनेस में नहीं आए, तब तक कोई प्वायंट ऑफ ऑर्डर नहीं लिया जाए।...**(व्यवधान)**... आप बता दें, ...**(व्यवधान)**... आप तो जितने ज्ञानी हैं, इस हाऊस में कोई नहीं है।...**(व्यवधान)**... अभी मेरे पक्ष में आपको बोलना होगा, तो रूलिंग निकाल देंगे।...**(व्यवधान)**... इसलिए आगे चलने दीजिए।...**(व्यवधान)**... आप हाऊस चलने दीजिए।...**(व्यवधान)**... आप बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**... श्री तरलोचन सिंह! ...**(व्यवधान)**...

श्री तरलोचन सिंह (हरियाणा) : माननीय सभापति जी, ...**(व्यवधान)**...

* Not recorded.

श्री सभापति : वह हो गया, हो गया। इसे छोड़िए।...**(व्यवधान)**... वह हो गया। ...**(व्यवधान)**... बैठ जाइए, बैठ जाइए।...**(व्यवधान)**... इसका मतलब क्या है? ...**(व्यवधान)**... श्री तरलोचन सिंह। ...**(व्यवधान)**... Please take your seat. ...**(Interruptions)**... मेरी सुन लीजिए।...**(व्यवधान)**... मेरी सुन लीजिए।...**(व्यवधान)**... एक मिनट।...**(व्यवधान)**... आप कृपापूर्वक मेरी बात सुन लीजिए।...**(व्यवधान)**... अब वह मामला डिसाइड हो गया है। यह मेरे एग्जामिनेशन में है। मैं इसे देखकर आपको कहूँगा।...**(व्यवधान)**... मैं यह निश्चित रूप से कहता हूँ कि देखने के बाद सही चीज़ होगी। यह मामला किसानों का है।

श्री तरलोचन सिंह : माननीय सभापति जी, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : इनको बोलने दीजिए।...**(व्यवधान)**... मुझ पर विश्वास रखिए। मैं देखकर उचित काम करूँगा।...**(व्यवधान)**... मैं देख लूँगा, देखने का तो मौका दीजिए।...**(व्यवधान)**... आप विश्वास रखिए। उसे देख कर जो भी रूल-संगत होगा, नियम-संगत होगा, उसको स्वीकृत करूँगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री वी. नारायणसामी : दो मिनट दे दीजिए, सर। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मेरे दो मिनट बहुत महँगे पड़ रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री तरलोचन सिंह : माननीय सभापति जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मैं आपको दो घंटे दूँगा, आप चिन्ता मत करिए। ...**(व्यवधान)**... Please take your seat...**(Interruptions)**... श्री तरलोचन सिंह जी, आप बोलिए।

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Need to provide adequate Minimum Support Price to farmers for their produce

श्री तरलोचन सिंह (हरियाणा) : माननीय सभापति जी, मैं आज एक ऐसे इश्यू पर आपकी इजाजत से हाऊस का ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि हम यहाँ सारा दिन बड़े-बड़े इम्पोर्टेंट मैटर्स पर बहस करते हैं, लेकिन यह एक सब्जेक्ट हिन्दुस्तान के किसानों का है। सरकार किसानों के बारे में रोज कोई-न-कोई ऐसी पॉलिसी लाकर देती है कि हम यह लोन दे रहे हैं, वह लोन दे रहे हैं, लेकिन जब किसान को एक्चुअली उसके इनकम के लिए देने का कोई इश्यू आता है, तो सरकार चुप कर जाती है। अभी Paddy का सीज़न है और यह सारी Paddy सबसे ज्यादा पंजाब, हरियाणा और ईस्टर्न यू.पी. में होती है और यह हमें क्रेडिट है कि देश का जो अन्न भंडार है, उसमें सबसे ज्यादा हिस्सा पंजाब और हरियाणा से आता है। देश को आज तक व्हीट और राइस का एक बड़ा हिस्सा इन दो स्टेट्स से मिला है, लेकिन जब सरकार मिनिमम सपोर्ट प्राइस एनाउन्स करती है, तो ऐसा महसूस होता है कि सरकार को कापा चढ